लाइब्रेरी और संबंधित गतिविधियाँ

साक्षरता को बढ़ाने में न केवल स्कूल लाइब्रेरी की एक महत्वपूर्ण भूमिका है, बल्कि छात्रों के समक्ष विस्तृत और अद्भुत दुनिया के बारे में जानने, समझने और उनमें सीखने की इच्छा' पैदा करना भी है। पुस्तकालय से जुड़ी गतिविधियाँ छात्रों में संचार कौशल विकसित करने, ज्ञान प्राप्त करने और आत्म–अध्ययन के लिए एक सार्थक तरीके से प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने का प्रयास करती है।

हालांकि कई स्कूलों मे पुस्तकालयों की स्थापना की गई है, किन्तु उनमें से दो ऐसे स्कूल अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय, सेवई और ओबीसी +2 आवासीय हाई स्कूल, रांची हैं जहां कक्षा 8 और 11 के छात्रों को क्रमशः पुस्तकालय का प्रबंधन करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें बाल संसद सदस्य शामिल हैं। पुस्तकालय के लिए जिम्मेदार छात्रों ने इसे न केवल बनाए रखा बल्कि यह भी सुनिश्चित किया की उनसे छोटे वर्ग के छात्र पुस्तकों और अन्य सीखने की सामग्रियों का नियमित रूप से उपयोग करें।

"जोर से पढ़ें" सत्र, पाठ, कहानी लेखन, हाथ से बनी स्कूल पत्रिका तैयार करने, "लाइब्रेरी ग्रुप प्रोजेक्ट्स" इत्यादि कार्यक्रम छात्रों के द्वारा किया जा रहा है। लाइब्रेरी प्रोजेक्ट्स में विषयगत क्षेत्र पर आधरभूत शोध लेने और रचनात्मक तरीके से सीखना भी शामिल है। पुस्तकालय संबंधी गतिविधियों में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया परिलक्षित हुई है और वे अब सीखने के अनुभव को और अधिक समृद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं।

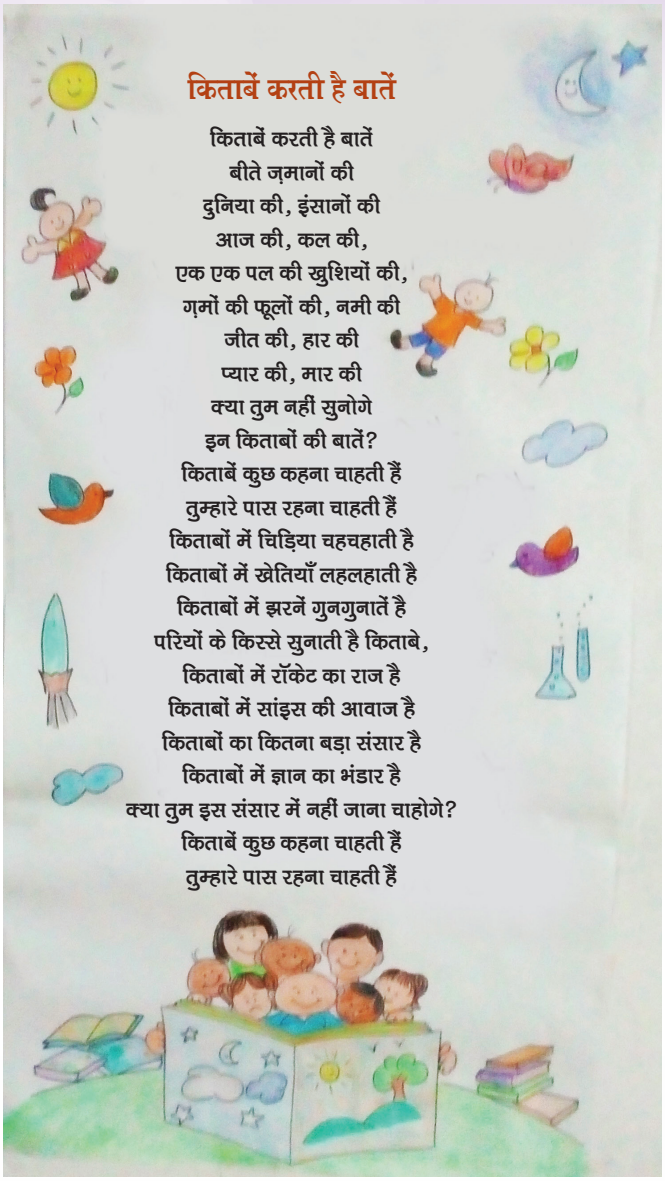

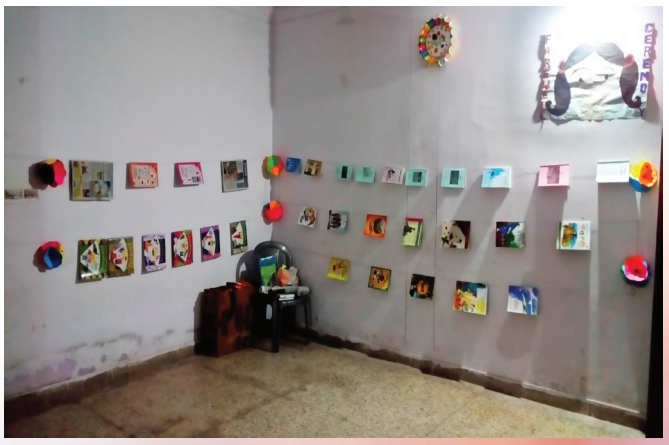

ओबीसी गर्ल्स हाई स्कूल, जेल रोड, रांची में पुस्तकालय और संबंधित गतिविधियाँ